

धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें, उसके बाद चर्चा करेंगे

● राज्यसभा में खड़े ने रखी अपनी बात, मोदी सरकार को घेरा ● राहुल गांधी समेत कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे



नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने काँकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। उधर राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दे दें।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद बुधवार को काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार बनाए: राजनाथ

राजनाथ सिंह ने कहा- दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

‘काँकरोचों’ पर लाठीचार्ज, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने काँकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ‘हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।’ जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, ‘हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।’ बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था, कुछ बेरोजगार युवा काँकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आर्टीआईएल विस्त बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।



पटना में उग्र हुए छात्र, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

● बनारस में कांग्रेसियों को उठाया, भोपाल में विधायकों ने काली पट्टी बांधी

पटना (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के बाद देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बुधवार को पटना पुलिस ने धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया। जवाब में भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। जबकि, यूपी के बनारस में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस उठाकर ले गई। इधर, मध्य प्रदेश में विधानसभा से लेकर सड़कों तक विरोध देखने को मिला। कांग्रेस के विधायक काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकभवन का घेराव किया। यूपी में लखनऊ समेत कई शहरों में सपा कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक और दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की मारपीट के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूपी के ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद दिल्ली में 40 घंटे से धरने पर बैठे हुए हैं।



‘छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा दे सरकार, खत्म कर दंगा अनशन’, सोनम वांगचुक ने मेदांता अस्पताल से लिखी चिट्ठी

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मोदी सरकार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि अगर छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा मिले तो अपना अनशन खत्म करने को तैयार हूँ। सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के नाम चिट्ठी लिखी है।

रूसी हमले में 4 भारतीय नाविकों की मौत बर्दाश्त नहीं

● विदेश मंत्री जयशंकर का रूसी विदेश मंत्री को दो टूक संदेश

मनीला (एजेंसी)। भारत ने रूस के सामने यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा रूस के सामने उठाया है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भारत की ‘गहरी चिंता’ दोहराई है। यह बातचीत तब हुई जब दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और अहम क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की। आपको बता दें कि दोनों नेताओं के बीच ये बैठक उस वक्त हुई है जब MV गोल्डन लियो नाम के जहाज पर रूस ने हमला किया था जिसमें चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी। बैठक की जानकारी देते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की विस्तृत समीक्षा की।



मप्र में अब उद्योगों को मंजूरी मिलना होगा आसान

राज्य में बनेगा ‘ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सचिवालय’

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा ने मंगलवार को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक पारित कर दिया। नए कानून का उद्देश्य उद्योगों को समय पर मंजूरी दिलाना और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। विधेयक के तहत राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सचिवालय बनाया जाएगा, जो उद्योगों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करेगा। इसके साथ ही राज्य निवेश प्रोत्साहन समिति और जिला निवेश प्रोत्साहन समिति का गठन भी किया जाएगा, ताकि निवेश प्रस्तावों पर तेजी से निर्णय लिए जा सकें। सरकार मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) को राज्य की नोडल एजेंसी घोषित करेगी। विभिन्न विभागों को जरूरी अनुमतियों के लिए अपने अधिकारियों को अधिकार सौंपने होंगे। जहां अधिकार सौंपना संभव नहीं होगा, वहां सक्षम अधिकारियों की



नियुक्ति या नामांकन किया जाएगा। नए कानून के अनुसार व्हाइट और ग्रीन श्रेणी के उद्योगों को स्व-घोषणा (सेल्फ डिक्लेरेशन) के आधार पर स्थापना प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस प्रमाणपत्र और स्व-घोषणा के आधार पर उद्योग अपना काम शुरू कर सकेंगे। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य, सार्वजनिक

सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निरीक्षण पहले की तरह जारी रहेंगे। इन मामलों में किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी।

एमपी में नया फायर सेफ्टी कानून पास- मध्य प्रदेश विधानसभा ने मध्य प्रदेश फायर सेफ्टी एवं इमरजेंसी सर्विस विधेयक पारित कर दिया है। नए कानून के तहत फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने पर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। सरकार का कहना है कि इससे आगजनी की घटनाओं की रोकथाम और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य अधिक प्रभावी हो सकेंगे।

हिंद-प्रशांत पर क्वाड का बड़ा संदेश, आसियान की केंद्रीय भूमिका को मिला समर्थन

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत बनाने पर व्यापक सहमति बनी। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त रूप से आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन) की एकता और उसकी केंद्रीय भूमिका का समर्थन करते हुए क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प दोहराया। बैठक में समुद्री सुरक्षा, सुरक्षित और निर्बाध नौवहन, आर्थिक समृद्धि, उभरती प्रौद्योगिकियों, आपदा



प्रबंधन, साइबर सुरक्षा तथा मानवीय सहायता जैसे विषयों पर सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रियों ने कहा कि हिंद-प्रशांत

क्षेत्र का विकास अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान और सभी देशों की संप्रभुता की रक्षा के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। बैठक के दौरान आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाने, महत्वपूर्ण खनिजों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल प्रौद्योगिकी और समुद्री निगरानी जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। क्वाड देशों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य क्षेत्र में स्थिरता, विकास और समावेशी सहयोग को बढ़ावा देना है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते

सामरिक समीकरणों के बीच यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि संयुक्त बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन नियम-आधारित व्यवस्था, समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन पर दिया गया जोर क्षेत्रीय रणनीति का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। भारत के लिए भी यह बैठक महत्वपूर्ण रही, क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसकी रणनीतिक भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। आने वाले समय में क्वाड और आसियान के बीच बढ़ती सहयोग क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक विकास की दिशा तय करने में अहम

बच्चे बोले- पापा का पड़ोस वाली आंटी से अफेयर है

महिला आयोग से कहा- मम्मी से मारपीट करते हैं, डिप्रेशन में सुसाइड अटैम्प्ट कर चुकीं

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की मंगलवार की जनसुनवाई में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसमें दो नाबालिग बच्चों ने अपने ही पिता के खिलाफ शिकायत की। बच्चों का आरोप है कि पिता का पड़ोस में रहने वाली आंटी से अफेयर है। विरोध करने पर वह मां के साथ मारपीट करते हैं। मां डिप्रेशन में हैं और आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी हैं।

एक अन्य मामले में फैक्ट्री हादसे में कर्मचारी की मौत के बाद उसकी पत्नी को मुआवजा नहीं मिलने पर आयोग ने कंपनी को अगली सुनवाई में हर हाल में हाजिर होने के निर्देश दिए।

पहले पढ़िए केस-1- पापा का चार साल से अफेयर चल रहा

दोनों बच्चे पिता की शिकायत लेकर पहुंचे। मां के लिए मदद की गुहार लगाई। उन्होंने कहा- पापा का एक शादीशुदा महिला से पिछले चार साल से संबंध है। इस मामले की शिकायत थाने में कर चुके हैं, तब पापा ने शपथ पत्र देकर दोबारा ऐसा नहीं करने का भरोसा दिया था, लेकिन इसके बावजूद वह महिला के संपर्क में हैं।

बच्चों का आरोप है कि विरोध करने पर पापा



उनकी मां के साथ मारपीट करते हैं और उन्हें भी पीटते हैं। लगातार घरेलू विवाद के कारण उनकी मां मानसिक रूप से परेशान हैं। उनका इलाज चल रहा है। वह डिप्रेशन की दवाइयां ले रही हैं।

बच्चों ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित महिला के तीन बच्चे हैं। वह आंगनवाड़ी सहायिका है। महिला ने उनके पिता से पैसे भी लिए हैं, जो अब तक वापस नहीं किए हैं।

केस-2- पति-पत्नी के बीच सुलह, दोनों साथ रहने को राजी

जनसुनवाई के दौरान एक पारिवारिक विवाद का भी निपटारा हुआ। महिला ने अपने पति के खिलाफ शिकायत की थी। दोनों पक्षों को सुनने और समझाइश के बाद आपसी सहमति से समझौता हो गया। महिला ने आगे कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही, जबकि पति ने भी

आपसी सामंजस्य से रहने पर सहमति जताई।

केस-3- फैक्ट्री कर्मचारी की मौत, कंपनी को नोटिस

मंडीदीप स्थित एक फैक्ट्री के वेयरहाउस में गेहूं की बोरियों के नीचे दबने से एक कर्मचारी की मौत हो गई थी। उसकी पत्नी ने महिला आयोग से मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत की। सुनवाई के दौरान कंपनी का कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इस पर आयोग ने कंपनी को अगली सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए। महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा कि अगर अगली तारीख पर भी कंपनी का प्रतिनिधि नहीं पहुंचा तो उसके खिलाफ वारंट जारी करने की कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू हिंसा, प्रताड़ना समेत 18 मामलों की सुनवाई

महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक और सचिव सुरेश तोमर की मौजूदगी में कुल 18 मामलों की सुनवाई हुई। इनमें घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर प्रताड़ना, पारिवारिक विवाद और मुआवजा से जुड़े मामलों में दोनों पक्षों को सुनकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

कर्ज से परेशान शेफ ने फांसी लगाई

सुसाइड नोट में लिखा- कर्ज चुका दिया, फिर भी रोज 10 हजार रुपए ब्याज मांग रहे

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र में देर रात एक शेफ का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना कलियासोत डेम के पास तेरा शटर क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की।

मृतक की पहचान बृजधाम कॉलोनी, नीलबड़निवासी रामश्रवण पटेल (37) के रूप में हुई, जो कोलार रोड स्थित एक बंगले में शेफ का काम करता था। मौके से उसकी बाइक और पैंट की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था- परिजनों के मुताबिक रामश्रवण मंगलवार दोपहर घर से काम पर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। देर रात उसका शव कलियासोत डेम क्षेत्र में



पेड़ से लटका मिला। सुसाइड नोट में लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। सूचना पर बुधवार सुबह पुलिस ने शव को फंदे से उतारा।

सुसाइड नोट में सूदखोर और रिकवरी एजेंट पर आरोप- सुसाइड नोट में रामश्रवण ने लिखा कि मकान निर्माण के लिए उसने बृज पटेल नामक व्यक्ति से 3.70 लाख रुपए उधार लिए थे। उसका दावा था कि वह पूरी मूल रकम चुका चुका है, लेकिन इसके बाद भी उससे रोजाना 10 हजार रुपए ब्याज की मांग की जा रही थी। उसने यह भी लिखा कि एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट भी लगातार उस पर दबाव बना रहे थे। इसी मानसिक

तनाव के कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

भाई बोला- गहने गिरवी रखकर भी कर्ज चुकाया- मृतक के भाई अरुण पटेल ने बताया कि रामश्रवण ने कर्ज चुकाने के लिए परिवार के गहने तक गिरवी रख दिए थे। इसके बावजूद तकादेदार लगातार उसे परेशान कर रहे थे।

परिवार के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से वह मानसिक रूप से बेहद तनाव में था। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि तीन दिन पहले रामश्रवण को चुनाव भेटी थाने बुलाया गया था। वहां उसे घंटों बैठाकर कर्ज चुकाने का दबाव बनाया गया। हालांकि पुलिस ने इस आरोप से इनकार किया।

आज मुख्यमंत्री चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में होंगे शामिल

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को देंगे श्रद्धांजलि, किसानों से करेंगे संवाद, 340 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की देंगे सौगात

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में उनकी 120वीं जन्म जयंती के अवसर पर कृषि उपज मंडी में 23 जुलाई 2026 को बलराम कृषि महोत्सव, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जन्मजयंती समारोह आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंद्रशेखर आजाद नगर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली आजाद कुटिया पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे।

दतिया उपचुनाव में बुजुर्ग और दित्यांग मतदाताओं ने डाले वोट, 30 जुलाई को होना है मतदान

दतिया (नप्र)। विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए वोटिंग का आगाज बुधवार से हो गया है। चुनाव आयोग की पहल पर दतिया क्षेत्र के 90 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता अपने घर से ही पहला वोट डालेंगे। 30 जुलाई को होने वाले मुख्य मतदान से पहले इन मतदाताओं के लिए विशेष पोलिंग टीमों का गठन किया गया है, जो सुरक्षा व्यवस्था के बीच गोपनीयता के साथ वोट दर्ज कराएंगी।

अब तक 1.06 करोड़ का माल सीज- चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए पुलिस और आवकरी विभाग की टीमों ने सोमवार शाम तक चेकिंग के दौरान 1.06 करोड़

रुपये से अधिक मूल्य की अवैध नकदी, शराब और अन्य सामान जब्त किया है। शहर के प्रवेश मार्गों और अंतरराज्यीय सीमाओं पर बने चेक पोस्टों पर गाड़ियों की सघन तलाशी ली जा रही है।



30 जुलाई को होना है मुख्य मतदान- दतिया सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग 30 जुलाई को तय है। इससे ठीक पहले घर से वोट डालने की यह सुविधा उन मतदाताओं के लिए दी गई है, जो शारीरिक रूप से पोलिंग बूथ तक पहुंचने में असमर्थ हैं।

क्रांति ने अपनी प्रतिभा के दम पर दुनिया में बढ़ाया भारत का मान: मुख्यमंत्री

सीएम ने क्रांति गौड़ को दी 5 लाख रुपए सम्मान राशि



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दे रही है। राज्य में 'खेलो बड़ो अभियान' के अंतर्गत सांसद कप, विधायक कप के माध्यम से प्रदेश के हर विधानसभा और तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। राज्य सरकार के इसी संकल्प का परिणाम है कि आज प्रदेश के खिलाड़ी क्रिकेट टूर्नामेंट्स, ओलिम्पिक गेम्स, खेलो इंडिया गेम्स में पदक जीत कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटों के साथ-साथ हमारी बेटियां भी किसी से

कम नहीं हैं। मध्यप्रदेश की बेटी सुश्री क्रांति गौड़ ने अपनी प्रतिभा और कौशल के दम पर पूरे देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर सुश्री क्रांति गौड़ और उनके पिता श्री नरसिंह एवं भाई श्री महेन्द्र सिंह को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रिकेटर सुश्री गौड़ को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की लाड़ली बेटियां और हमारी छोटी बहन सुश्री क्रांति प्रदेश में नई खेल क्रांति लेकर आई हैं।

इंदौर: बेटे की आत्महत्या के बाद पिता ने बहू और उसके परिजनों पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए, पुलिस से कार्रवाई की मांग



इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र निवासी मनोहर सिंह सिसोदिया ने पुलिस को दिए आवेदन में अपने बेटे अभिषेक सिसोदिया की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन में उन्होंने अपनी बहू साधना नामदेव, उसकी माता, पिता और बड़ी बहन सहित अन्य परिजनों पर बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, अभिषेक का विवाह 23/04/2026 को साधना नामदेव के साथ हुआ था। पिता का आरोप है कि विवाह के बाद पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव के चलते उनका बेटा परेशान रहने लगा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि

21 जुलाई को साधना और उसकी मां द्वारा कथित रूप से मानसिक प्रताड़ना दिए जाने की शिकायत की गई थी। आवेदन में बताया गया है कि 22 जुलाई 2026 को अभिषेक की मौत हो गई। इसके बाद पिता ने पुलिस के समक्ष आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मृतक का पोस्टमार्टम एम.वाय. अस्पताल में कराया गया। पुलिस द्वारा मामले के सभी पहलुओं की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

इंदौर में अधिवक्ताओं ने छात्रों के समर्थन में किया प्रदर्शन, सरकार के खिलाफ जताया विरोध



इंदौर। शहर के भंवरकुआं क्षेत्र में अधिवक्ता रजनीश यादव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ पुरजोर विरोध दर्ज कराया और छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

प्रदर्शन में अधिवक्ता श्याम शर्मा, उमंग भवर, गौरव यादव, लकी बोरवाल, नवदीप बघेल सहित कई अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद करते हुए उनकी मांगों को उचित



बताया तथा सरकार से जल्द समाधान निकालने की मांग की। अधिवक्ताओं ने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समय रहते निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन और सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर सकारात्मक कदम उठाने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखी और कहा कि यदि छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रहेगा।

रंगो ने उकेरी चेतावनी, शब्दों ने जगाई चेतना

इंदौर पुलिस के “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान में- कला, साहित्य और संवेदनाओं के माध्यम से बच्चों/युवाओं ने की नशामुक्त समाज की आवाज बुलंद। 3 वर्षीय मासूम बच्ची और स्पेशल चिल्ड्रन बने कार्यक्रम की प्रेरणादायक पहचान, सभी को दिया “नशे से दूरी है जरूरी” का संदेश



आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर पुलिस कमिशनरेट द्वारा संचालित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0 (Say No to Drugs)” जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं विद्यार्थियों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2026 को अभय प्रशाल, जंजीरवाला चौराहा, इंदौर में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत पेंटिंग, रंगोली, स्लोगन लेखन, कविता एवं निबंध लेखन तथा ओपन माइक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं की थीम “नशे को कहें ‘ना’, नशामुक्त समाज का करें निर्माण” रखी गई थी। प्रतिभागियों ने अपनी कला, साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से एक स्वर में संदेश दिया कि “नशे से दूरी है जरूरी।”

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अति पुलिस आयुक्त नगरीय श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-03 श्री अभिषेक रंजन तथा अति पुलिस उपायुक्त (क्राइम) श्री राजेश दंडोतिया सहित अन्य पुलिस अधिकारी, विभिन्न स्कूल/कॉलेज के प्रतिभागी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के



प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। साथ ही सभी को शपथ दिलाकर, नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प भी दिलाया। पुलिस आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों ने प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई पेंटिंग, रंगोली, स्लोगन, कविता एवं निबंधों का अवलोकन किया तथा उनकी रचनात्मक सोच और सामाजिक सरोकारों की सराहना की। प्रतिभागियों की कलाकृतियों में नशे के दुष्परिणामों का प्रभावी चित्रण और समाज को जागरूक करने का सशक्त संदेश देखने को मिला।

मासूम आवाज और विशेष प्रतिभाओं ने जीता सभी का दिल-कार्यक्रम की सबसे भावनात्मक और प्रेरणादायक झलक तब देखने को मिली, जब महज 3 वर्ष की एक मासूम बच्ची ने अपने निष्कपट अंदाज में सभी से नशे से दूर रहने की मार्मिक अपील की। इसके साथ ही स्पेशल चिल्ड्रन (विशेष बच्चों) ने भी अपनी पेंटिंग एवं स्लोगन के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि सामाजिक परिवर्तन के लिए संवेदनशील सोच और सकारात्मक संदेश सबसे बड़ी शक्ति हैं। उनकी रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी को नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी

सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया तथा कार्यक्रम को और अधिक भावनात्मक एवं यादगार बना दिया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयन किया गया है। इन विजेताओं को अभियान के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष 10 प्रतिभागियों को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा तथा सभी प्रतिभागियों को Participation Certificate देकर उनकी सहभागिता एवं रचनात्मक योगदान का सम्मान किया जाएगा। “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के माध्यम से इंदौर पुलिस कमिशनरेट समाज के प्रत्येक वर्ग—विशेषकर युवाओं, बच्चों और विद्यार्थियों—को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ते हुए यह संदेश दे रही है कि जब कला, साहित्य और संवेदनाएं समाजहित के लिए एकजुट होती हैं, तब जनजागरूकता एक जनआंदोलन का रूप ले लेती है। यही अभियान का उद्देश्य है—नशामुक्त, स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण।

आज की जमीन आने वाली पीढ़ियों का भविष्य



भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर लगातार आठ वर्षों तक स्वच्छता में देश का अग्रणी शहर रहा है और अब “सुपर स्वच्छ लीग” जैसे नए वर्ग में भी अपनी अलग पहचान बना चुका है। यह उपलब्धि केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के तेजी से हो रहे शहरी विकास, निवेश और बढ़ते आर्थिक अवसरों को भी दर्शाती है। यदि कोई व्यक्ति 10-15 वर्ष पीछे जाकर इंदौर के रियल एस्टेट बाजार को देखे, तो उसे स्पष्ट अंतर दिखाई देगा। जिन क्षेत्रों में कभी कुछ सौ रुपये प्रति वर्गफीट में जमीन उपलब्ध थी, आज कई विकसित इलाकों में वही जमीन कई हजार रुपये प्रति वर्गफीट तक पहुँच चुकी है। हाल के वर्षों में कलेक्टर गाइडलाइन दरों में भी व्यापक वृद्धि की गई है, विशेषकर आउटर रिंग रोड, ग्रीनफील्ड कॉरिडोर और शहर के बाहरी क्षेत्रों में।

यही कारण है कि आज मध्यम वर्ग का निवेशक शहर के महंगे इलाकों की बजाय शहर से बाहर विकसित हो रहे क्षेत्रों की ओर देख रहा है। कम बजट में अधिक जमीन मिलने के कारण फार्म हाउस और ग्रामीण क्षेत्रों की भूमि निवेश का एक विकल्प बन रहे हैं।

इंदौर का इतिहास भी यही बताता है। महू रोड, देवास रोड, उज्जैन रोड और आसपास के कई क्षेत्र, जो कभी शहर से दूर माने जाते थे, आज शहरी विकास का हिस्सा बन

चुके हैं। नई सड़कें, रिंग रोड, औद्योगिक विकास और मास्टर प्लान के विस्तार ने आसपास की जमीनों का महत्व लगातार बढ़ाया है। सरकार भी कई बाहरी क्षेत्रों में नई गाइडलाइन दरें बढ़ा रही है और नए क्षेत्रों को विकास योजना में शामिल कर रही है। हालाँकि, निवेश करते समय एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए—हर जमीन या हर फार्म हाउस भविष्य में कॉलोनी बनेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। निवेश से पहले भूमि का कानूनी रिकॉर्ड, डायवर्जन, सड़क संपर्क, मास्टर प्लान, स्वामित्व और सरकारी अनुमतियों की पूरी जाँच करना आवश्यक है।

जमीन केवल एक संपत्ति नहीं होती, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार भी बन सकती है। यदि सही स्थान, सही दस्तावेज और दीर्घकालिक सोच के साथ निवेश किया जाए, तो आज का निर्णय कल आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत भविष्य तैयार कर सकता है। “सोना खरीदा जा सकता है, गाड़ी खरीदी जा सकती है, लेकिन जमीन बनाई नहीं जा सकती। इसलिए सोच-समझकर खरीदी गई जमीन आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत बन सकती है।”

गोपाल गावंडे
प्रधान संपादक, रणजीत टाइम्स

नेतृत्व के अभाव में आंदोलन बना अराजकता का कारण

दिल्ली में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या किसी भी जनआंदोलन को केवल सोशल मीडिया की लोकप्रियता के सहारे प्रभावी और अनुशासित बनाया जा सकता है? संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुए टकराव ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि किसी आंदोलन में स्पष्ट नेतृत्व, रणनीति और अनुशासन का अभाव हो, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटककर अराजकता का रूप ले सकता है। सीजेपी का आंदोलन एक टिप्पणी के विरोध से शुरू होकर धीरे-धीरे एक व्यापक राजनीतिक मंच में बदलने की कोशिश करता दिखाई दिया।

हालाँकि, आंदोलन के विस्तार के साथ उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठनात्मक क्षमता और नेतृत्व की रही।

यही कमजोरी संसद मार्च के दौरान खुलकर सामने आई। आज के डिजिटल दौर में सोशल मीडिया किसी भी व्यक्ति या समूह को कुछ ही समय में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुँचा सकता है। लेकिन इंटरनेट पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होना और वास्तविक जनसमर्थन जुटाकर उसे व्यवस्थित तरीके से संचालित करना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। सीजेपी के मामले में भी यही देखने को मिला। सोशल मीडिया पर मिली लोकप्रियता ने संगठन को व्यापक पहचान तो दिलाई, लेकिन जब आंदोलन सड़क पर उतरा, तब अनुशासन बनाए रखना, भीड़ का प्रबंधन करना और स्पष्ट दिशा देना बड़ी चुनौती बन गया। इससे यह संदेश भी मिलता है कि डिजिटल प्रभाव को मजबूत संगठन और जिम्मेदार नेतृत्व का विकल्प नहीं माना जा सकता।

सांदीपनि मॉडल स्कूल में करियर मार्गदर्शन एवं विशेषज्ञ व्याख्यान संपन्न



ग्वालियर। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा (15 जुलाई से 29 जुलाई 2026) के अंतर्गत बुधवार को सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्च माध्यमिक विद्यालय, डीडी नगर में करियर मार्गदर्शन एवं विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप प्राचार्य आहिवरण सिंह कुशवाह ने की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य आर.के. दुबे तथा विशिष्ट अतिथि यशपाल ठाकुर उपस्थित रहे।

यशपाल ठाकुर ने सा विद्या या विमुक्तये सूत्र वाक्य के माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु के महत्व, शिक्षा के उद्देश्य एवं वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की उपयोगिता पर प्रेरक व्याख्यान

दिया। मुख्य अतिथि आर.के. दुबे ने अपने 45 वर्षों के शैक्षणिक अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं सतत अध्ययन का महत्व बताया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. संजय सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को नवीन एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों तथा भविष्य में उपलब्ध करियर अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक ओ.पी. चौधरी ने किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक देशराज सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से मार्गदर्शन का लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का आह्वान किया।

फ्रेंड्स फॉरएवर ग्रुप की पहली पार्टी संपन्न, महिला उद्यमियों को मिला मंच



इंदौर। फ्रेंड्स फॉरएवर ग्रुप द्वारा 18 जुलाई को साउथ एवेन्यू होटल में ग्रुप की पहली पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला उद्यमियों को उनके व्यवसाय के विस्तार के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम की आयोजक मोनिका प्रियानी थीं। मुख्य अतिथि अर्चना गुप्ता (फाउंडर, नमो श्री चेतना) एवं विशेष अतिथि गरिमा राजवीर दवे उपस्थित रहीं। अतिथियों ने महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए आत्मनिर्भरता, नेटवर्किंग और व्यवसायिक विकास पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न संस्थानों एवं व्यवसायियों का विशेष सहयोग रहा। प्रमुख सहयोगियों में आर एस डायमंड एंड सॉल्यूटियर्स की राजश्री जी, विष्णुप्रिया ज्वेलर्स के मोहित सोनी, स्नो सिटी के हरीश कटारिया, मॉडर्न गिफ्ट हाउस (सिंधी कॉलोनी) के सनी वाधवानी, मुस्कान



गिफ्ट हाउस (माणिकबाग रोड) के गिरीश झमनानी, पहनावा बुटीक (राजमहल कॉलोनी) की हीना साबन, ग्लो इन रेंजिन की अंकिता परयानी तथा जिला कॉस्मेटिक्स का विशेष योगदान रहा। आयोजन के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक खेल एवं तंबोला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही व्यवसाय को नई दिशा देने, ग्राहक नेटवर्क बढ़ाने और उद्यमिता को सशक्त बनाने से जुड़े उपयोगी सुझाव भी साझा किए गए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे महिला उद्यमियों के लिए प्रेरणादायी एवं उपयोगी पहल बताया।



बीएसएफ कैपस इंदौर में बना वर्ल्ड लार्जैस्ट एक्रेलिक आर्ट, हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज



बीएसएफ कैपस, इंदौर में बच्चों द्वारा निर्मित "वर्ल्ड लार्जैस्ट एक्रेलिक आर्ट" को हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड में सफलतापूर्वक दर्ज किए जाने के उपलक्ष्य में आज, 22 जुलाई 2026 को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसएफ इंदौर के आईजी श्री तजिंदर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को विश्व



रिकॉर्ड प्रमाण-पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मुख्य कलाकार श्री इंद्रनील मजूमदार के नेतृत्व में सोनाक्षी मालाकार, नम्रता मालाकार, नेहा मालाकार, नक्छ मालाकार, हर्षिता चौहान, चारू मालाकार, महक चौहान, मायरा शेख, अपराश तोमर, लविना जमाले, कृष्णकांत तिवारी, संजना अहिरवार, जानवी ऊबनारे एवं हरमेश ऊबनारे सहित सभी प्रतिभागियों ने समर्पण और कठिन परिश्रम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस विश्व रिकॉर्ड को सफल बनाने

में मूक-बधिर संस्थान के बच्चों एवं मध्यप्रदेश दृष्टिहीन कल्याण संघ के बच्चों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और उत्साह से कार्यक्रम को विशेष बनाया। कार्यक्रम के दौरान बीएसएफ इंदौर के श्री गजेन्द्र सिंह द्वारा "नमो श्री चेतना महिला एवं बाल विकास समिति" की प्रमुख संस्थापक श्रीमती अर्चना गुप्ता को भी समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मैनेजर श्रीमती शोभा जमाले, संरक्षक श्री जितेंद्र मालाकार, सलाहकार श्री भूपेंद्र पंवार तथा बीएसएफ इंदौर का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि सामाजिक समावेशन, कला और सामूहिक प्रयास का एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जिसने दिव्यांग एवं सामान्य बच्चों की प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।

...आखिर...

हमारे देश को किसकी नज़र लग गई है?

आज देश एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ हर दिन कोई न कोई ऐसी घटना सामने आती है जो मन को विचलित कर देती है।

कहीं युवा अपने भविष्य और रोजगार की चिंता में सड़कों पर उतर रहा है, कहीं मंदिरों में चोरी की घटनाएँ आस्था को ठेस पहुँचा रही हैं, तो कहीं अपराध, सामाजिक तनाव और नैतिक मूल्यों में गिरावट समाज को चिंतित कर रही है। ऐसे में हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न उठता है—आखिर हमारे देश को किसकी नज़र लग गई है? भारत केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। जब यही समाज असहिष्णुता, अविश्वास और स्वार्थ की ओर बढ़ने लगता है, तो यह केवल सरकार की नहीं,

बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी बन जाती है। युवा यदि सड़क पर है तो उसकी आवाज़ सुनी जानी चाहिए। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए और कानून का भय अपराधियों में स्पष्ट दिखाई देना चाहिए।

हमें यह समझना होगा कि देश का भविष्य केवल सरकारों नहीं बदलती, बल्कि जागरूक नागरिक, जिम्मेदार युवा और नैतिक समाज मिलकर बदलते हैं। हमें अपने कर्तव्यों का भी उतना ही पालन करना होगा जितना हम अपने अधिकारों की बात करते हैं। आज समय निराशा का नहीं, आत्ममंथन का है। यदि हम सब मिलकर ईमानदारी, सद्भाव और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें, तो कोई भी संकट भारत की प्रगति को रोक नहीं सकता। देश को किसी की नज़र नहीं, बल्कि हमारी एकता, जागरूकता और सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

गोपाल गावडे

प्रधान संपादक, रणजीत टाइम्स

सहजयोग के माध्यम से आत्मबोध द्वारा सत्-चित्-आनंद की प्राप्ति

परमपिता परमात्मा का स्वरूप सत्-चित्-आनंद है। सत् अर्थात् सत्य, चित् अर्थात् चेतना तथा आनंद परम अनुभूति का प्रतीक है। परमात्मा स्वयं सृष्टि के कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न नहीं होते, अपितु समस्त सृष्टि के आधार एवं प्रेरक शक्ति के रूप में साक्षी भाव में स्थित रहते हैं। जैसे प्रकाश प्रत्येक कार्य का आधार होता है, किंतु स्वयं उन कार्यों में भाग नहीं लेता, उसी प्रकार परमात्मा समस्त सृष्टि के मूल आधार हैं। परमात्मा का चित् स्वरूप चेतना एवं ध्यान का प्रतिनिधित्व करता है। जब यह चेतना स्पंदित होती है, तभी सृष्टि की रचना का क्रम प्रारंभ होता है। आनंद परमात्मा की अपनी ही रचना से प्राप्त होने वाली दिव्य अनुभूति है। जब सत्, चित् और आनंद एकत्व की अवस्था में स्थित होते हैं, तब ब्रह्म का सिद्धांत प्रकट होता है। सृष्टि के विकास के साथ आनंद की अभिव्यक्ति भी क्रमशः स्थूल रूप धारण करती है और भौतिक जगत का विस्तार होता है। आध्यात्मिक साधना का उद्देश्य इस यात्रा को पुनः परम सत्य की ओर ले जाना है। जैसे-जैसे साधक की चेतना विकसित होती है, वैसे-वैसे स्थूलता का आवरण हटने लगता है और आनंद का अनुभव अधिक व्यापक एवं गहन होता जाता है। तब साधक अनुभव करता



है कि परमात्मा की रचनात्मक शक्ति मनुष्य के माध्यम से अभिव्यक्त होती है, उनका आनंद मानव जीवन में प्रवाहित होता है तथा उनका दिव्य प्रकाश आत्मा के रूप में प्रत्येक हृदय में विद्यमान है। यही प्रकाश मनुष्य को धर्म, ईश्वर और शाश्वत सत्य की ओर अग्रसर करता है। वास्तविक स्वतंत्रता का अर्थ बाहरी बंधनों से मुक्त होना नहीं, बल्कि अपने स्व के तंत्र को जानना तथा सूक्ष्म एवं स्थूल शरीर की आध्यात्मिक उत्थान में भूमिका को समझना है। इसी आत्मबोध के माध्यम से मनुष्य सृजन के वास्तविक आनंद का अनुभव कर सकता है। यही कारण है कि मनुष्य को सृष्टि का सर्वोच्च शिखर कहा गया है। इस आत्मबोध की प्राप्ति का सहज एवं प्रमाणिक माध्यम सहजयोग है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने पर साधक सत्-चित्-आनंद का प्रत्यक्ष अनुभव करता है तथा नियमित ध्यान-धारणा के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान के

उच्चतम शिखर तक सहज रूप से पहुँच सकता है। सहजयोग पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग के संबंध में अधिक जानकारी के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर सम्पर्क करें। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है।



कश्मीर में
आतंकी हमला

हेड कॉन्स्टेबल की मौत

● अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली



श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकीयों ने हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12.30 बजे आतंकीयों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद

दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जखमी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है।

सभी रास्तों पर
नाकेबंदी, आतंकीयों
की तलाश तेज

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकीयों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी बुधवार को दोपहर करीब 12.30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर हुई। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हवलदार आशिक हुसैन हमले में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

धर्मद्र प्रधान इस्तीफा दें, एमपी
विधानसभा में भी लगे नारे

काली पट्टी बांधकर पहुंचे कांग्रेस विधायक, किया विरोध



भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधायक दिल्ली में राहुल गांधी के साथ हुए पुलिस बर्ताव और छात्रों पर अत्याचार के विरोध में काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचे। राज्य विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है और बुधवार को इस सत्र का तीसरा दिन है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक सदन पहुंचे और उन सभी के हाथ में

काली पट्टी बंधी हुई थी। कांग्रेस विधायक काली पट्टी बांधकर दिल्ली में राहुल गांधी के साथ हुए पुलिसबर्ताव और छात्रों पर हुए अत्याचार का विरोध कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार ने कहा कि दिल्ली में अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ।

विधानसभा में इस पर चर्चा की मांग की गई, लेकिन सरकार जवाब देने से बचती रही।

दिल्ली महिला समृद्धि योजना: अब हर महीने हाथ में आएंगे
1000 रुपये, 1500 होंगे सेव; 3 साल बाद मिलेंगे 58 हजार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की प्रस्तावित महिला समृद्धि (लक्ष्मी) योजना केवल मासिक आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे महिलाओं में बचत की आदत विकसित करने और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तैयार किया गया है। सरकार योजना का ऐसा मॉडल तैयार कर रही है, जिसमें लाभार्थी महिलाओं को हर महीने मिलने वाली पूरी राशि एक साथ निकालने की अनुमति नहीं होगी। सूत्रों के अनुसार, योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने 2,500 रुपये जमा किए जाएंगे। इनमें से 1,000 रुपये महिलाओं को तत्काल निकासी के लिए उपलब्ध होंगे, जबकि शेष 1,500 रुपये उनके खाते में सुरक्षित रखे जाएंगे।

यह राशि नियमित रूप से जमा होती रहेगी और उस पर मिलने वाले ब्याज के साथ तीन वर्ष बाद एकमुश्त लाभार्थी को प्रदान की जाएगी। सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य महिलाओं को

केवल मासिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उनके लिए एक सुरक्षित बचत कोष तैयार करना है। यदि हर महीने 1,500 रुपये तीन वर्षों तक जमा होते



हैं तो मूल राशि 54 हजार रुपये होगी। इस पर मिलने वाले ब्याज को जोड़ने के बाद लाभार्थी महिला को लगभग 58 हजार से 60 हजार रुपये तक एकमुश्त मिलने की संभावना है। अंतिम राशि ब्याज दर और

योजना के वित्तीय प्रविधानों के आधार पर तय होगी।

कब से लागू होगी योजना
और क्या है पात्रता?

योजना के संचालन, पात्रता, भुगतान प्रक्रिया, निकासी की शर्तों और बचत राशि के प्रबंधन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे। इन्हीं दिशा-निर्देशों के आधार पर योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। जानकारी के अनुसार, दिल्ली सरकार इस योजना को 28 अगस्त से लागू करने की तैयारी कर रही है। विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि निर्धारित समय पर योजना शुरू की जा सके। हालांकि, योजना की औपचारिक शुरुआत और अंतिम नियमों की घोषणा सरकार की अधिसूचना जारी होने के बाद ही होगी।

होटल सील किया था तो खुल कैसे गया?
दिल्ली में सर्वे के नाम पर सिर्फ 'हवाबाजी';
अधिकारियों को लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। नंद नगरी स्थित डीएम कार्यालय में मंगलवार को जिला विकास समिति की बैठक हुई। एक माह पहले दक्षिणी दिल्ली के एक होटल में आग लगने से 23 लोगों की मौत हुई थी। इसमें अधिकतर विदेशी नागरिक थे। इसके बाद दिल्ली सरकार ने दिल्ली भर में होटलों के सर्वे का आदेश दिया था। इस सर्वे को लेकर दैनिक जागरण ने कई खबरें प्रकाशित कीं। वह खबरें इस बैठक में छाई रहीं। बैठक में यह माना गया कि होटल के सर्वे के नाम हवाबाजी की जा रही है। जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन ने एसडीएम शाहदरा से पूछा कि पिछले साल दिसंबर में प्रशासन ने बाबरपुर बस टर्मिनल पर एक होटल को सील किया था। करीब 28 लोग नशे में मिले थे। जिस होटल को प्रशासन ने सील किया था, वह खुल कैसे गया? इस सवाल पर प्रशासन व निगम और दिल्ली पुलिस के अधिकारी बगले झांकने लगे। चेयरमैन को जवाब ही नहीं मिला कि आखिर सील खुली कैसे? चेयरमैन ने दूसरा सवाल किया होटल में आग की घटनाएं होती रहेंगी और लोगों की जान जाती रहेगी। अधिकारी वयों नियमों का पालन नहीं करवा पा रहे हैं? डीएम अजय कुमार ने एसडीएम को निर्देश दिए कि होटल में जाएं। जो अनैतिक कार्य हो रहे हैं या जो नियमों का उल्लंघन हो रहा है बिना देर किए एफआईआर करवाएं। छापेमारी के लिए पुलिस को साथ लेकर जाएं।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी

द्रपाती बने नए सेना प्रमुख, क्या अब यूक्रेन में थमेगा प्रदर्शन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे।

जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है।

यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना



पड़ा था। यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे। जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को

रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया।

प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए। लोग उन्हें सेना के आधुनिकीकरण का चेहरा मानते थे। वहीं सिरस्की को सोवियत दौर की पुरानी सोच वाला कमांडर माना जाता था। सेना के भीतर सिरस्की को 'बुचर' यानी कसाई का उपनाम मिला हुआ था। बख़्मत की लंबी और खुनी लड़ाई के दौरान यह नाम बहुत फैला था। उस लड़ाई में यूक्रेन को भारी नुकसान हुआ था। जून महीने में 'बैबेल' नाम की एक यूक्रेनी मीडिया वेबसाइट ने एक जांच रिपोर्ट छपी थी। इसमें सिरस्की से जुड़ी 'स्केलिया' असाॅल्ट रेजिमेंट में धांधली और

उत्पीड़न के आरोप लगे थे। रिपोर्ट में कहा गया कि इस यूनिट में सैनिकों का नुकसान बहुत ज्यादा हुआ था। कई नए रंगरूटों की मौत के आंकड़े भी उजागर हुए थे। इसके बाद सिरस्की की साख पूरी तरह गिर गई थी।

मंगलवार को जेलेंस्की ने पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव से अलग से मुलाकात की। जेलेंस्की ने उन्हें सरकार में एक सम्मानजनक पद की पेशकश की। यह पद देश के टेक्नोलॉजी सेक्टर को एकजुट करने से जुड़ा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि फेडोरोव ने इस ऑफर को स्वीकार किया है या नहीं। यह भी तय नहीं है कि इस कदम से प्रदर्शनकारी शांत होंगे या नहीं। फेडोरोव ने नए सेना प्रमुख द्रपाती को बधाई दी। उन्होंने इसे आजादी और न्याय की लड़ाई में एक 'नई उम्मीद' बताया। फेडोरोव ने कहा कि सिरस्की ने कीव की रक्षा और खारकीव के अभियानों में जो योगदान दिया, वह इतिहास का अहम हिस्सा है। लेकिन अब यूक्रेन को तेजी से आगे बढ़ना होगा। पुरानी गलतियों को सुधारना होगा।

फेडोरोव ने कहा कि यूक्रेन को जीत के लिए स्पष्ट सोच की जरूरत है। सैनिकों की जान बचाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। युद्ध क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाना होगा। रूस की अर्थव्यवस्था को पस्त करने के लिए अलग रणनीति अपनानी होगी।

वनडे रैंकिंग

डेरिल मिशेल के करीब पहुंचे गिल

जो रूट की टॉप-10 में एंट्री

आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

शुभमन गिल-मोसादेक हुसैन को पछाड़कर नाथन स्मिथ ने जीता जून माह का खिताब

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ 'जून 2026' के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे। न्यूजीलैंड के कई मुख्य तेज गेंदबाजों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्मिथ ने जिम्मेदारी संभालते हुए दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

नाथन स्मिथ ने सोमवार को 'आईसीसी' के एक बयान में कहा, 'यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा। न्यूजीलैंड के लिए मैं बस यही करना चाहता हूँ- पूरी कोशिश करना और जिस भी तरह से हो सके, योगदान देना। दुर्भाग्य से, सीरीज के दौरान कुछ खिलाड़ी चोटिल हो गए थे, इसलिए मुझे आगे आकर नई गेंद से बॉलिंग की शुरुआत करनी पड़ी।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल नंबर वन बल्लेबाज बनने के काफी करीब आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को भी काफी फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज डेरिल मिशेल 802 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं। गिल और मिशेल की रेटिंग में सिर्फ एक अंक का अंतर है। विराट कोहली तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लॉर्ड्स में हाल ही में 138 रन की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम और आयरलैंड के हैरी टैक्टर को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। दोनों क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ संपन्न वनडे सीरीज में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे इंग्लैंड के जो रूट को 4 स्थान का फायदा हुआ है। रूट शीर्ष 10 खिलाड़ियों में वापस आ गए हैं और आठवें नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के शे होप को तीन स्थान का घाटा हुआ है, वे नौवें नंबर पर हैं। श्रीलंका के चरित असलांका एक अंक के नुकसान के बावजूद दसवें स्थान पर हैं। वनडे फॉर्मेट के शीर्ष दस गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अब्बास अहमद दूसरे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर को एक स्थान का फायदा हुआ है, वह तीसरे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर को तीन स्थान का फायदा हुआ है। सेंटनर चौथे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और श्रीलंका के महिषा तिक्षणा क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान के फायदे के साथ सातवें और बांग्लादेश के मेहदी हसन दो स्थान के फायदे के साथ आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद तीन स्थान के नुकसान के साथ नौवें और वेस्टइंडीज के गुडकेश मोती 7 स्थान की छलांग लगाकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं।



जिम्बाब्वे के खिलाफ बस 11 छक्के और बन जाएंगे T20 में नंबर 1

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी20 में सबसे तेज 150 छक्के

- मोहम्मद वसीम (UAE): 66 पारी
- एविन लुईस (WI): 70 पारी
- क्रिस गेल (WI): 72 पारी
- **सूर्यकुमार यादव को भी पीछे छोड़ सकते हैं वैभव-वैभव सूर्यवंशी ने 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में अभी तक लगाए हैं। वह 11 छक्के और लगाते ही भारत समेत पूरी दुनिया में नंबर 1 बन जाएंगे। उनके नाम टी20 में सबसे तेज 150 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हो सकता है। भारत के लिए यह रिकॉर्ड 86 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने बनाया था। यानी वैभव सूर्या को भी पीछे छोड़ सकते हैं।**

वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में कैसा रहा था प्रदर्शन?

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड सीरीज में तीन पारियों में 42 रन ही बनाए थे। उन्होंने 27 गेंद का सामना किया था जिसमें 5 छक्के और सिर्फ एक चौका उनके बल्ले से निकला था। उन्होंने तीन मैचों में 12 गेंद पर 14 रन, 5 गेंद पर 13 रन और 10 गेंद पर 15 रन बनाए थे।



कुलदीप यादव यॉर्कशायर से जुड़े, 'वन-डेकप' और 'काउंटी चैंपियनशिप' खेलते नजर आएंगे

लीड्स,। बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर कुलदीप यादव ने मौजूदा घरेलू सीजन के लिए इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशायर के साथ करार किया है। क्लब ने बुधवार को भारत के प्रमुख खिलाड़ी के जुड़ने की घोषणा की। इस समझौते के तहत, कुलदीप सितंबर में यॉर्कशायर के आखिरी चार काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों में से तीन खेलने के लिए हेंडिंगले लौटने से पहले पांच वन-डेकप मैचों में हिस्सा लेंगे। उनका यह कार्यकाल शुक्रवार को नीथ में ग्लेसगो के खिलाफ 50 ओवरों के मैच से शुरू होगा। कुलदीप यादव इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिल सका। इस फैसले ने फैस को हैरान किया। कुलदीप ने क्लब की तरफ से जारी बयान में कहा, 'मैं यॉर्कशायर से जुड़कर बहुत खुश हूँ और इस मौके के लिए आभारी हूँ। यॉर्कशायर के शानदार इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा इंग्लिश परिस्थितियों में खेलने की चुनौती पसंद है। मैनेजमेंट से बात करने के बाद, मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया और हेंडिंगले में अपने समय के दौरान सकारात्मक योगदान देने के लिए उत्सुक हूँ।' 31 वर्षीय कुलदीप यादव ने 18 टेस्ट मुकाबलों में 22.35 की औसत के साथ 79 विकेट हासिल किए हैं।

नई दिल्ली। भारतीय टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हार के बाद अब जिम्बाब्वे के दौरे पर गई है। इस दौरे पर टीम इंडिया को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज में पहली बार वैभव सूर्यवंशी बतौर प्रमुख ओपनर बनकर आए हैं। इंग्लैंड में वैभव का प्रदर्शन खास नहीं था लेकिन अब जिम्बाब्वे सीरीज में उनके पास मौका है अपनी जगह पक्की करने का। जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर टी20 क्रिकेट का खास वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। वह तीन मैचों की सीरीज में अगर 11 छक्के लगा देते हैं तो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 छक्के पूरे करने वाले नंबर 1 बल्लेबाज बन जाएंगे। वैभव के नाम अभी तक 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में दर्ज हैं। हालांकि, इस मामले में नंबर 1 पर काबिज खिलाड़ी ने 66 पारियों में यह कारनामा किया था। नंबर 1 पर नाम है यूएई के मोहम्मद वसीम का। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के एविन लुईस और तीसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं। अगर वैभव ने यह कारनामा किया तो वह तीनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ नंबर 1 बन जाएंगे।

सीने की जलन को न करें नजरअंदाज, लगातार परेशानी बन सकती है गंभीर बीमारी का संकेत

सीने में बार-बार होने वाली जलन को अक्सर लोग सामान्य गैस या अपच समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे तो यह भोजन नली से जुड़ी गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकती है। हाल के अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि

अत्यधिक तीखा और मसालेदार भोजन, खासकर अन्य जोखिम कारकों के साथ मिलकर, भोजन नली की समस्या को बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बहुत अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन कुछ लोगों में एसिड रिफ्लक्स और सीने की जलन की शिकायत बढ़ा सकता है। यदि यह

स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है और उसका उचित इलाज नहीं कराया जाता, तो भोजन नली की परत में बदलाव हो सकते हैं, जिससे कुछ मामलों में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, केवल तीखा भोजन ही कैंसर का सीधा कारण नहीं माना जाता। तंबाकू, धूम्रपान, शराब, मोटापा और

लंबे समय तक रहने वाला एसिड रिफ्लक्स भी महत्वपूर्ण जोखिम कारक हैं। यदि सीने में जलन सप्ताह में कई बार हो, निगलने में कठिनाई, बिना वजह वजन कम होना, लगातार खांसी या उल्टी में खून जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

कांग्रेस का भाजपा पर हमला: पेपर लीक से 7.5 करोड़ युवाओं का भविष्य प्रभावित, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

इंदौर। पेपर लीक और राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष होना कांवरे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिट्टू चौकसे और प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा कि लगातार पेपर लीक, भर्ती में देरी और बेरोजगारी से देश का युवा आक्रोशित है। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट यूजी 2026 में पेपर लीक के कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़ी और इससे छात्रों को मानसिक



एवं आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। नेताओं ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं को हिरासत में लेने और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदे प्रधान के इस्तीफे, परीक्षा प्रक्रिया के स्वतंत्र ऑडिट, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई की जांच, एनटीए को भंग करने, पेपर लीक माफिया की निष्पक्ष जांच तथा परीक्षाओं और भर्तियों के लिए बाध्यकारी वार्षिक कैलेंडर लागू करने की मांग की। कांग्रेस ने बताया कि 'छात्रों की गुंज' अभियान फिलहाल देश के 28 शहरों में चल रहा है, जिसे जल्द 100 शहरों तक विस्तार दिया जाएगा।

मेट्रो की मंजूरी में अटका डबल डेकर ब्रिज, ट्रायल ट्रैफिक पर लगा ब्रेक

● लोड टेस्ट पास, ब्रिज तैयार... फिर भी नहीं खुला ट्रैफिक

● CMRS क्लियरेंस का इंतजार, दिल्ली से हरी झंडी मिलते ही शुरू होगी आवाजाही

इंदौर। प्रदेश के पहले और बहुप्रतीक्षित डबल डेकर ब्रिज पर ट्रैफिक शुरू होने से ठीक पहले मेट्रो की मंजूरी अड़चन बन गई है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने बुधवार से ब्रिज की एक भुजा को ट्रायल के तौर पर यातायात के लिए खोलने की तैयारी पूरी कर ली थी, लेकिन मेट्रो परियोजना से जुड़े आवश्यक सीएमआरएस (कमिशनर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी) क्लियरेंस नहीं

मिलने के कारण ऐन वक्त पर योजना टालनी पड़ गई। करीब 175 करोड़ रुपये की लागत से बने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और हाल ही में इसका सफल लोड टेस्ट भी किया गया था। इसके बावजूद ट्रैफिक शुरू नहीं हो सका, जिससे लोगों की उम्मीदों पर फिलहाल पानी फिर गया है। आईडीए के अधिकारी परीक्षित झाड़े ने बताया कि ब्रिज की एक लाइन से ट्रैफिक शुरू करने की पूरी तैयारी थी, लेकिन मेट्रो की ओर से क्लारिफिकेशन सर्टिफिकेट नहीं मिलने के कारण इसे एक-दो दिन के लिए आगे बढ़ाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी दस्तावेज मंजूरी के लिए भेज दिए गए हैं और जैसे ही अनुमति मिलेगी, ट्रैफिक शुरू कर दिया जाएगा।

● शहर जाम से जूझता रहा, ब्रिज तैयार होकर भी खड़ा रहा- सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ब्रिज का निर्माण पूरा हो चुका है, लोड टेस्ट भी सफल रहा है और ट्रायल संचालन की घोषणा तक हो चुकी थी, तो जरूरी मंजूरीयां पहले क्यों नहीं ली गई? इसका खामियाजा अब सीधे शहर के लाखों

वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। लवकुश चौराहा और अरबिंदो अस्पताल क्षेत्र की सर्विस रोड लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। जगह-जगह गड्ढे हैं और पीक आवर्स में घंटों जाम लगता है। इसी दबाव को कम करने के लिए आईडीए ने ब्रिज की नई लेन खोलने का फैसला किया था, लेकिन मंजूरी की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं होने से राहत टल गई।

● खुलते ही मिलेगी बड़ी राहत- ब्रिज की एक भुजा शुरू होने के बाद अरबिंदो अस्पताल, बाणगंगा, लवकुश चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव काफी कम होने की उम्मीद है। इससे सर्विस रोड पर निर्भरता घटेगी और रोजाना जाम से जूझने वाले हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी। अब निगाहें दिल्ली से मिलने वाली अंतिम मंजूरी पर टिकी हैं। यदि सब कुछ तय समय पर हुआ तो अगले एक-दो दिन में ट्रायल ट्रैफिक शुरू हो सकता है। फिलहाल तैयार ब्रिज पर वाहन नहीं, बल्कि मंजूरी का इंतजार दौड़ रहा है।

जय श्रीराम के नारों से छात्र आंदोलन में विवाद, प्रशासन की बढ़ी चिंता; जीतू पटवारी भी पहुंचे धरना स्थल



इंदौर। नीट पेपर लीक मामले को लेकर इंदौर में पिछले 23 दिनों से छात्रों का धरना जारी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मदे प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चल रहा यह आंदोलन अब जिला प्रशासन और पुलिस के लिए चुनौती बनता जा रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के बाद आंदोलन ने और गति पकड़ ली है तथा प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र धरना स्थल पर पहुंच रहे हैं। हड़्दू के संयोजक राधे जाट ने 23 जुलाई को 'न्याय यात्रा 3.0' निकालने की घोषणा की है। प्रस्तावित यात्रा दोपहर 1 बजे डीडी गार्डन से शुरू होकर रिगल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक जाएगी। राधे जाट ने दावा किया कि यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण होगी, हालांकि उन्हें आशंका है कि पुलिस अनुमति नहीं देगी और यात्रा से पहले उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है।

इधर मंगलवार रात भंवरकुआं स्थित टंट्या मामा चौराहे पर चल रहे धरने के दौरान विवाद की स्थिति बन गई। आंदोलनकारियों के अनुसार कुछ लोग छात्र बनकर धरने में शामिल हुए और 'जय श्रीराम' के नारे लगाने लगे। अन्य छात्रों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हितों की मांग है, इसका किसी धर्म या राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। वहीं, एक हिंदू संगठन ने थाने में आवेदन देकर आरोप लगाया कि आंदोलन की आड़ में हिंदू विरोधी नारे लगाए जा रहे हैं। संगठन ने आंदोलन स्थल पर पुलिस सुरक्षा बढ़ाने और ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

देर रात मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी भोपाल से इंदौर पहुंचे और धरनारत छात्रों से मुलाकात कर आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों के साथ खड़ी है और यह आंदोलन अब पूरे प्रदेश में फैल रहा है। इस दौरान पार्षद कुणाल सोलंकी भी मौजूद रहे। वहीं, शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिट्टू चौकसे द्वारा आंदोलनकारियों के लिए भेजा गया टेंट पुलिस ने जब्त कर लिया। मौके पर रवि दांगी भी उपस्थित थे।

51 लाख पौधों के ऑक्सीजन वन के लिए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम 'स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज

इंदौर। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं जनभागीदारी के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान के लिए मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के लिए स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 'मान्यता प्रमाण-पत्र' (सर्टिफिकेट ऑफ रिकग्निशन) प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान परम पूज्य अनुष्ठान आराधिका डॉ. कुमुदलता म.सा. के पावन सानिध्य एवं दिव्य प्रेरणा में आयोजित गरिमायम समारोह में प्रदान किया गया। श्री विजयवर्गीय को '51 लाख पौधों का रोपण कर देश के सबसे बड़े शहरी ऑक्सीजन वनों में से एक के निर्माण हेतु स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कर डीपिन जैन, अचल चौधरी, रमेश भंडारी, वीरेंद्र कुमार जैन, प्रकाश भट्टेरा और विवेक जैन द्वारा सम्मानित किया गया।



मंत्री जी की अनुपस्थिति में उनके पुत्र पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने सर्टिफिकेट ग्रहण किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में बीएसएफ बुडानिया परिसर की बंजर एवं पथरीली भूमि पर 51 लाख पौधों का महाअभियान चलाया गया, जिसने आज एक विशाल हरित क्षेत्र का स्वरूप धारण कर लिया है। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ है, बल्कि स्वच्छ वायु, भूजल संवर्धन, जैव विविधता के संरक्षण तथा जलवायु संतुलन स्थापित करने की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस अवसर पर डॉ. कुमुदलता म.सा. ने कहा कि 51 लाख पौधों का यह अभियान केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ जीवन देने का एक प्रेरणादायी संकल्प है। ऐसे कार्य समाज के लिए अनुकरणीय हैं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नई चेतना का संचार करते हैं। समारोह में पूरे देश से आये उपस्थित जनों श्री कैलाश विजयवर्गीय के पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण एवं दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। समारोह का संचालन जिनेश्वर जैन द्वारा किया गया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सघन कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा एवं आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों तथा विद्यालयों की मेस और कैटीनों के विशेष निरीक्षण अभियान के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। संयुक्त दल ने सबसे पहले श्रीनाथ एजेंसी, हिम्मतनगर (पालदा) का निरीक्षण किया। यहां प्रोपराइटर निर्मल व्यास उपस्थित मिले। प्रतिष्ठान में लस्सी एवं छाछ का निर्माण, पैकेजिंग और विक्रय किया जा रहा था। बल्क मिल्क चिलिंग सेंटर से लस्सी एवं छाछ के दो नमूने जांच के लिए लिए गए। इसके बाद मेडिकेप्स इंटरनेशनल स्कूल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किचन एवं स्टोरेज क्षेत्र में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। किचन के पीछे उबले एवं मैश किए हुए आलू, कटी शिमला मिर्च, पाव एवं अन्य खाद्य सामग्री अस्वच्छ परिस्थितियों में रखी मिली। कुछ खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग पर लेबलिंग अधूरी थी। फ्रीजर में रखे फ्रोजन फिंगर चिप्स एवं मटर निर्धारित



तापमान पर संग्रहित नहीं पाए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। जंग लगे चाँपिंग नाइफ एवं गंदे चाँपिंग बोर्ड भी हटवाए गए। यहां से पनीर, सौंफ,

मूंगफली, राजमा एवं मूंग छिलका दाल के पांच नमूने जांच के लिए लिए गए तथा मैजिक बॉक्स की सहायता से स्पॉट टेस्टिंग भी की गई। इसके बाद नानकसर डेयरी

फार्म, अभिषेक नगर (मूसाखेड़ी) का निरीक्षण किया गया। यहां प्रभारी आकाश जाट उपस्थित मिले। प्रतिष्ठान में पनीर, दही, मावा एवं घी का निर्माण किया जा रहा था। यहां से पनीर, मावा, दही एवं घी के पांच नमूने जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान परिसर में रखा 208 किलोग्राम संहिध घी, जिसकी अनुमानित कीमत 1.35 लाख रुपये है, नियमानुसार जब्त किया गया। प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों के संबंध में सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। संयुक्त दल ने श्री भोले कृपा डेयरी, राऊ का भी निरीक्षण किया, जहां दूध एवं दुग्ध उत्पादों के पांच नमूने लिए गए। इसके अतिरिक्त राऊ क्षेत्र में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब (फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स) के माध्यम से खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। खाद्य कारोबारियों एवं आमजन को खाद्य मिलावट की पहचान, स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन के संबंध में जानकारी दी गई।

व्यापम निधि

पर घमासान, बेरोजगारों की फीस से जुटे 297 करोड़ पर सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में कर्मचारी चयन मंडल (पूर्व व्यापम) की निधि को लेकर सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई। सदन में खुलासा हुआ कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों से प्राप्त शुल्क में से वर्ष 2022 में 137 करोड़ रुपये और 2023 में 160 करोड़ रुपये, कुल 297 करोड़ रुपये शिक्षा विभाग को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के लिए हस्तांतरित किए गए। इसके बाद विपक्ष ने सवाल उठाया कि बेरोजगार युवाओं से परीक्षा शुल्क के रूप में ली गई राशि का उपयोग दूसरे उद्देश्य के लिए कैसे किया गया। विपक्ष का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में कर्मचारी चयन मंडल की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में लगभग एक करोड़ से अधिक आवेदन आए, जिनसे बड़ी राशि परीक्षा शुल्क के रूप में एकत्र हुई। आरोप लगाया गया कि इसी निधि का हिस्सा शिक्षा विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि यह राशि भर्ती परीक्षाओं के संचालन और अभ्यर्थियों से जुड़ी व्यवस्थाओं पर खर्च की जानी चाहिए थी। सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि राशि का हस्तांतरण विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत किया गया और इसका उपयोग मुख्यमंत्री की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के संचालन में किया गया। सरकार ने किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता से इनकार किया है। हालांकि, विपक्ष ने मांग की है कि कर्मचारी चयन मंडल की आय, परीक्षा शुल्क, व्यय और अन्य विभागों को हस्तांतरित राशि का स्वतंत्र लेखा परीक्षण (ऑडिट) कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अभ्यर्थियों से प्राप्त शुल्क का उपयोग नियमों के अनुरूप हुआ या नहीं।

सड़कों के गड्ढों से बेहाल मड़गवां!

सतना। धार्मिक नगरी चित्रकूट के प्रथम द्वार मड़गवां में क्षेत्रीय जनसमस्याओं और बदहाल सड़कों को लेकर सियासी पारा बढ़ गया है। सतना-चित्रकूट मार्ग और मड़गवां-पहाड़ीखेड़ा मार्ग की जर्जर हालत सहित 10 सूत्रीय समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी और ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया।